Quest Journals
Journal of Research in Humanities and Social Science
Volume 14 ~ Issue 2 (February 2026) pp: 187-193
ISSN(Online):2321-9467
www.questjournals.org

Research Paper

बिम्सटेक का खाड़ी देशों पर तकनीकी और आर्थिक प्रभाव

अभिषेक पाण्डेय
शोध छात्र
राजनीति विज्ञान विभाग
प्रो राजेंद्र सिंह रज्जु भैय्या विश्वविद्यालय प्रयागराज

डा राघवेंद्र पाण्डेय
सहायक आचार्य
एम जी पी जी कालेज फतेहपुर

सारांश

बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल, जिसे संक्षेप में बिम्सटेक कहा जाता है, दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के सात देशों का एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय संगठन है। इसका प्रमुख उद्देश्य सदस्य देशों के मध्य आर्थिक, तकनीकी, व्यापारिक, ऊर्जा, परिवहन तथा संपर्क संबंधी सहयोग को बढ़ावा देना है। हाल के वर्षों में बिम्सटेक ने क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण, व्यापार सुगमीकरण, डिजिटल अवसंरचना, परिवहन संपर्क तथा निवेश सहयोग के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। बिम्सटेक के सदस्य देशों में भारत, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका तथा थाईलैंड शामिल हैं। यह संगठन बंगाल की खाड़ी क्षेत्र को आर्थिक विकास का केंद्र बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। खाड़ी देशों में मुख्यतः सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत, बहरीन और ओमान को सम्मिलित किया जाता है। ये देश वैश्विक ऊर्जा बाजार, वित्तीय निवेश, समुद्री व्यापार तथा तकनीकी नवाचार के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। बिम्सटेक और खाड़ी देशों के मध्य प्रत्यक्ष संस्थागत संबंध सीमित होने के बावजूद व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल संपर्क, समुद्री परिवहन तथा अवसंरचनात्मक विकास के माध्यम से इनके बीच पारस्परिक प्रभाव निरंतर बढ़ रहा है। वर्तमान शोध लेख का उद्देश्य खाड़ी देशों पर बिम्सटेक के तकनीकी एवं आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण करना है। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि बिम्सटेक की बढ़ती आर्थिक गतिविधियाँ खाड़ी देशों के लिए नए निवेश अवसर, व्यापारिक साझेदारियाँ तथा तकनीकी सहयोग के द्वार खोल रही हैं। साथ ही यह संगठन हिंद महासागर क्षेत्र में आर्थिक संतुलन एवं क्षेत्रीय संपर्क को सुदृढ़ बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

प्रमुख शब्द

बिम्सटेक, खाड़ी देश, आर्थिक प्रभाव, तकनीकी सहयोग, क्षेत्रीय एकीकरण, व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल संपर्क, समुद्री परिवहन

प्रस्तावना

इक्कीसवीं शताब्दी में क्षेत्रीय संगठनों की भूमिका वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। आर्थिक वैश्वीकरण, तकनीकी विकास और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की बढ़ती जटिलताओं ने देशों को क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में प्रेरित किया है। इसी परिप्रेक्ष्य में बिम्सटेक का उद्भव हुआ, जिसका उद्देश्य बंगाल की खाड़ी क्षेत्र के देशों के मध्य आर्थिक और तकनीकी सहयोग को सुदृढ़ करना है।

बिम्सटेक की स्थापना वर्ष 1997 में की गई थी। यह संगठन दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के मध्य एक सेतु का कार्य करता है। वर्तमान समय में यह संगठन व्यापार, निवेश, ऊर्जा, संपर्क, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा सतत विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। बिम्सटेक का मुक्त व्यापार, निवेश प्रोत्साहन, संपर्क अवसंरचना तथा डिजिटल सहयोग पर विशेष बल है।

खाड़ी देश विश्व अर्थव्यवस्था में अपनी ऊर्जा संपदा और निवेश क्षमता के कारण अत्यंत प्रभावशाली माने जाते हैं। इन देशों की आर्थिक समृद्धि मुख्य रूप से तेल और गैस निर्यात पर आधारित रही है, किंतु वर्तमान समय में वे अपनी अर्थव्यवस्था का विविधीकरण कर रहे हैं। इस उद्देश्य से वे तकनीकी नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था और वैश्विक निवेश पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

बिम्सटेक की आर्थिक और तकनीकी गतिविधियों का प्रभाव खाड़ी देशों पर विभिन्न स्तरों पर देखा जा सकता है। बिम्सटेक क्षेत्र में परिवहन संपर्क, व्यापारिक गलियारों, बंदरगाह विकास, डिजिटल अवसंरचना और क्षेत्रीय निवेश परियोजनाओं के विस्तार से खाड़ी देशों के लिए नए आर्थिक अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त भारत और खाड़ी देशों के मध्य बढ़ते आर्थिक संबंध भी बिम्सटेक के प्रभाव को और अधिक महत्वपूर्ण बनाते हैं।

वर्तमान अध्ययन इसी तथ्य का विश्लेषण करता है कि बिम्सटेक की गतिविधियाँ किस प्रकार खाड़ी देशों की आर्थिक नीतियों, व्यापारिक रणनीतियों तथा तकनीकी विकास को प्रभावित कर रही हैं।

संबंधित साहित्य की समीक्षा

क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग और तकनीकी एकीकरण पर अनेक विद्वानों ने अध्ययन किए हैं। विभिन्न शोधों में यह पाया गया है कि क्षेत्रीय संगठन सदस्य देशों की आर्थिक वृद्धि और तकनीकी प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

वर्ष 2021 के शोधों में डिजिटल अर्थव्यवस्था और तकनीकी सहयोग को क्षेत्रीय विकास का प्रमुख आधार माना गया। शोधकर्ताओं ने बताया कि डिजिटल संपर्क और ज्ञान हस्तांतरण से सदस्य देशों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में वृद्धि होती है।

वर्ष 2022 में प्रकाशित अध्ययनों ने बिम्सटेक परिवहन संपर्क योजना के महत्व को रेखांकित किया। इन अध्ययनों में कहा गया कि क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाएँ व्यापार और निवेश के नए अवसर उत्पन्न करती हैं।

वर्ष 2023 के शोधों में ऊर्जा सहयोग, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय व्यापार को बिम्सटेक की प्रमुख उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत किया गया। इन अध्ययनों के अनुसार बिम्सटेक क्षेत्र वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की क्षमता रखता है।

वर्ष 2024 के अध्ययनों में बिम्सटेक मुक्त व्यापार समझौते, निवेश प्रोत्साहन, सीमा शुल्क एकीकरण तथा डिजिटल अवसंरचना को संगठन की भावी प्राथमिकताओं के रूप में रेखांकित किया गया। शोधकर्ताओं ने यह भी सुझाव

दिया कि क्षेत्रीय व्यापार समझौते और निवेश उदारीकरण से सदस्य देशों तथा बाहरी साझेदारों दोनों को लाभ प्राप्त होगा।

साहित्य समीक्षा से यह स्पष्ट होता है कि बिम्सटेक पर पर्याप्त अध्ययन उपलब्ध हैं, किंतु खाड़ी देशों पर इसके तकनीकी और आर्थिक प्रभावों का विशिष्ट अध्ययन अपेक्षाकृत सीमित है। यही शोध अंतराल वर्तमान अध्ययन की आवश्यकता को सिद्ध करता है।

अध्ययन के उद्देश्य

इस अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य खाड़ी देशों पर बिम्सटेक के तकनीकी और आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण करना है।

अध्ययन का दूसरा उद्देश्य बिम्सटेक और खाड़ी देशों के मध्य व्यापारिक संबंधों का मूल्यांकन करना है।

तीसरा उद्देश्य तकनीकी सहयोग, डिजिटल संपर्क तथा नवाचार के क्षेत्र में बिम्सटेक की भूमिका का परीक्षण करना है।

चौथा उद्देश्य निवेश, ऊर्जा सुरक्षा और परिवहन संपर्क के संदर्भ में खाड़ी देशों पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण करना है।

पाँचवाँ उद्देश्य भविष्य में बिम्सटेक और खाड़ी देशों के मध्य सहयोग की संभावनाओं का अध्ययन करना है।

शोध पद्धति

वर्तमान अध्ययन वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध पद्धति पर आधारित है। अध्ययन में द्वितीयक आँकड़ों का उपयोग किया गया है। आवश्यक जानकारी विभिन्न शोध पत्रों, पुस्तकों, सरकारी प्रतिवेदनों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रकाशनों तथा बिम्सटेक से संबंधित आधिकारिक दस्तावेजों से संकलित की गई है।

अध्ययन में गुणात्मक तथा मात्रात्मक दोनों प्रकार की विश्लेषणात्मक विधियों का उपयोग किया गया है। आर्थिक प्रभावों के मूल्यांकन के लिए व्यापार, निवेश, परिवहन संपर्क तथा ऊर्जा सहयोग से संबंधित आँकड़ों का विश्लेषण किया गया है। तकनीकी प्रभावों के अध्ययन हेतु डिजिटल अवसंरचना, तकनीकी हस्तांतरण, नवाचार तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग से संबंधित सूचनाओं का उपयोग किया गया है।

विश्लेषण की प्रक्रिया में तुलनात्मक अध्ययन पद्धति को भी अपनाया गया है, जिसके माध्यम से बिम्सटेक की गतिविधियों और खाड़ी देशों की आर्थिक एवं तकनीकी नीतियों के मध्य संबंधों को समझने का प्रयास किया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

वर्तमान अध्ययन में बिम्सटेक की गतिविधियों तथा उनके खाड़ी देशों पर पड़ने वाले तकनीकी एवं आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण द्वितीयक आँकड़ों के आधार पर किया गया है। चूँकि बिम्सटेक और खाड़ी देशों के मध्य प्रत्यक्ष संस्थागत सदस्यता संबंध नहीं है, इसलिए विश्लेषण उन आर्थिक, व्यापारिक, निवेश, ऊर्जा, संपर्क तथा तकनीकी संकेतकों पर आधारित है जिनके माध्यम से बिम्सटेक क्षेत्र की प्रगति खाड़ी देशों के साथ संबंधों को प्रभावित करती है। बिम्सटेक द्वारा परिवहन संपर्क, व्यापार सुविधा, निवेश प्रोत्साहन तथा डिजिटल सहयोग को बढ़ावा दिए जाने से क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण में वृद्धि हुई है।

सारणी 1 : बिम्सटेक क्षेत्र की जनसंख्या एवं बाजार क्षमता

घटक	अनुमानित स्थिति
सदस्य देशों की संख्या	7
कुल जनसंख्या (करोड़ में)	170+
वैश्विक जनसंख्या में भागीदारी (%)	22
संभावित उपभोक्ता बाजार	अत्यधिक उच्च
खाड़ी देशों के लिए व्यापारिक आकर्षण	उच्च

व्याख्या

सारणी से स्पष्ट है कि बिम्सटेक विश्व के सबसे बड़े उपभोक्ता बाजारों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है। विशाल जनसंख्या और बढ़ती क्रय शक्ति खाड़ी देशों के लिए निर्यात तथा निवेश के नए अवसर उत्पन्न करती है। विशेष रूप से संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब तथा कतर जैसे देश इस बाजार को दीर्घकालिक आर्थिक अवसर के रूप में देखते हैं।

सारणी 2 : बिम्सटेक क्षेत्र में संपर्क परियोजनाओं की स्थिति

संकेतक (Indicator)	संख्या / विवरण (Value / Description)
कुल संपर्क परियोजनाएँ	267
परिवहन अवसंरचना परियोजनाएँ	216
संस्थागत एवं नीतिगत परियोजनाएँ	51
प्रमुख क्षेत्र	सड़क, रेल, बंदरगाह, विमानन
कार्यान्वयन अवधि	2018–2028

व्याख्या

बिम्सटेक परिवहन संपर्क योजना के अंतर्गत 267 परियोजनाओं का विकास प्रस्तावित किया गया है। इससे क्षेत्रीय व्यापार और निवेश में वृद्धि होने की संभावना है। खाड़ी देशों की बंदरगाह कंपनियों और निवेशकों के लिए यह अवसंरचना विकास एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

सारणी 3 : खाड़ी देशों के लिए संभावित निवेश अवसर

क्षेत्र	निवेश संभावना
बंदरगाह विकास	अत्यधिक उच्च
ऊर्जा अवसंरचना	उच्च
परिवहन गलियारे	उच्च
डिजिटल अवसंरचना	मध्यम से उच्च
पर्यटन	उच्च

व्याख्या

खाड़ी देशों के संप्रभु निवेश कोष विश्व के सबसे बड़े निवेश स्रोतों में गिने जाते हैं। बिम्सटेक क्षेत्र में संपर्क और अवसंरचना परियोजनाओं के विस्तार से खाड़ी देशों के लिए निवेश की नई संभावनाएँ विकसित हुई हैं। विशेष रूप से समुद्री बंदरगाहों और ऊर्जा गलियारों में निवेश की संभावनाएँ अधिक दिखाई देती हैं।

सारणी 5.4 : तकनीकी सहयोग के प्रमुख क्षेत्र

क्षेत्र	प्रभाव स्तर
डिजिटल संपर्क	उच्च
सूचना प्रौद्योगिकी	उच्च
ऊर्जा प्रौद्योगिकी	मध्यम
कृत्रिम बुद्धिमत्ता	उभरता हुआ

साइबर सुरक्षा	उच्च

व्याख्या

बिम्सटेक द्वारा तकनीकी सहयोग को प्राथमिकता दिए जाने से क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन को गति मिली है। खाड़ी देशों की डिजिटल अर्थव्यवस्था रणनीतियाँ और बिम्सटेक की तकनीकी पहलें परस्पर सहयोग के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करती हैं।

सारणी 5 : समुद्री संपर्क का आर्थिक प्रभाव

घटक	प्रभाव
माल परिवहन लागत	कमी
परिवहन समय	कमी
व्यापारिक दक्षता	वृद्धि
बंदरगाह उपयोगिता	वृद्धि
क्षेत्रीय एकीकरण	वृद्धि

व्याख्या

समुद्री परिवहन समझौते और बंदरगाह संपर्क परियोजनाएँ व्यापारिक लागत को कम करती हैं। इससे खाड़ी देशों और बिम्सटेक क्षेत्र के मध्य समुद्री व्यापार अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकता है।

निष्कर्ष

उपरोक्त सभी सारणियों के विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकलता है कि बिम्सटेक केवल एक क्षेत्रीय सहयोग मंच नहीं है, बल्कि यह हिंद महासागर क्षेत्र में आर्थिक और तकनीकी एकीकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बनता जा रहा है। परिवहन संपर्क, समुद्री सहयोग, डिजिटल परिवर्तन, क्षेत्रीय मूल्य शृंखलाएँ तथा निवेश प्रोत्साहन जैसी पहलों ने खाड़ी देशों के लिए नए आर्थिक अवसर उत्पन्न किए हैं। बिम्सटेक परिवहन संपर्क योजना, मुक्त व्यापार व्यवस्था की दिशा में प्रयास तथा क्षेत्रीय निवेश सहयोग भविष्य में खाड़ी देशों और बिम्सटेक सदस्य देशों के मध्य संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बना सकते हैं।

संदर्भ सूची

1. एशियाई विकास बैंक। (2022)। *बिम्सटेक परिवहन संपर्क हेतु मास्टर योजना*। मनीला: एशियाई विकास बैंक।
2. बोस, सोहिनी; बनर्जी, श्रीपर्णा एवं बसु राय चौधरी, अनसूया। (2024)। *बिम्सटेक परिवहन संपर्क मास्टर योजना : एक समालोचनात्मक मूल्यांकन*। नई दिल्ली: प्रेक्षक अनुसंधान प्रतिष्ठान।
3. बसु, प्रत्नाश्री एवं भौमिक, सौम्य। (2023)। *वैश्वीकरण के चतुर्थ चरण में बिम्सटेक, श्रीलंका और प्रौद्योगिकी*। अंतरराष्ट्रीय संबंध पत्रिका, खंड 27, अंक 1, पृ. 66–89।
4. बिम्सटेक सचिवालय। (2023)। *विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सहयोग विशेषज्ञ समूह की प्रथम बैठक प्रतिवेदन*। ढाका: बिम्सटेक सचिवालय।
5. बिम्सटेक सचिवालय। (2024)। *संपर्क क्षेत्र : क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण एवं विकास*। ढाका: बिम्सटेक सचिवालय।
6. एशियाई विकास बैंक। (2023)। *बिम्सटेक क्षेत्र में परिवहन संपर्क के वित्तपोषण की रूपरेखा*। मनीला: एशियाई विकास बैंक।
7. दत्ता, श्रीराधा। (2022)। *बिम्सटेक परिवहन संपर्क मास्टर योजना : अवसर एवं चुनौतियाँ*। नई दिल्ली: विवेकानंद अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठान।
8. बिम्सटेक सचिवालय। (2023)। *बिम्सटेक परिवहन संपर्क कार्य समूह की चतुर्थ बैठक का प्रतिवेदन*। ढाका: बिम्सटेक सचिवालय।
9. एशियाई विकास बैंक। (2022)। *बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में आर्थिक एवं परिवहन एकीकरण की रणनीति*। मनीला: एशियाई विकास बैंक।
10. बिम्सटेक सचिवालय। (2024)। *बिम्सटेक चार्टर के क्रियान्वयन और क्षेत्रीय सहयोग की नई संभावनाएँ*। ढाका: बिम्सटेक सचिवालय।
11. भारत सरकार, विदेश मंत्रालय। (2024)। *प्रथम बिम्सटेक व्यापार शिखर सम्मेलन : क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग की दिशा में एक नई पहल*। नई दिल्ली: विदेश मंत्रालय।
12. एशियाई विकास बैंक। (2022)। *बिम्सटेक क्षेत्र में व्यापार, निवेश और संपर्क अवसंरचना का विकास*। मनीला: एशियाई विकास बैंक।
13. बिम्सटेक सचिवालय। (2023)। *प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सुविधा तथा नवाचार कार्ययोजना 2023-2024*। ढाका: बिम्सटेक सचिवालय।
14. प्रेक्षक अनुसंधान प्रतिष्ठान। (2024)। *बिम्सटेक में संपर्क, निवेश और क्षेत्रीय विकास की उभरती प्रवृत्तियाँ*। नई दिल्ली: प्रेक्षक अनुसंधान प्रतिष्ठान।
15. बिम्सटेक सचिवालय। (2024)। *क्षेत्रीय संपर्क, व्यापार सुगमता और सतत आर्थिक विकास पर वार्षिक प्रतिवेदन*। ढाका: बिम्सटेक सचिवालय।